ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	60.0	60.0	25.0	45.0	45.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	20.0	20.0	20.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	15.0	16.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	85	85	85	95
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	4	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 30 जुलाई तक 25-60 मिमी मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान, क्रमशः 20.0 से 21.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 3.0-5.0 किमी/घंटा की गति से हवा चलेगी। 25, 26, 27, 28 और 29 जुलाई, 2023 को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है। चेतावनी: 26 और 28 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश के साथ आंधी/बिजली और तीव्र बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यही 25, 27 और 29 को आंधी/बिजली और तीव्र बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें तथा बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है । इससे किसानो को कृषि कार्यों में निर्णय लेने में मदद मिलेगी और आम इंसान जान-माल की क्षति से बच सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मध्यम से भारी वर्षा का पूर्वानुमान है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियाँ उसी के अनुसार की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	पिछले माह बोई हुई जेठी धन में निराई-गुड़ाई का काम संपन्न कर खरपतवार निकल ले। वर्षा के पश्चात उचित नमी होने पर यूरिया से टॉप-ड्रेसिंग करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
रागी	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मक्का	पिछले माह की मक्का की फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य कर खरपतवार निकाले । मक्के के 2 फ़ीट के हो जाने पर नत्रजन की टॉप-ड्रेसिंग करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मूँग	मूंग की बुवाई माह के द्वितीय पखवाड़े में मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	यदि पौधे रोपाई के लिए तैयार हैं तो पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रोपाई की जानी चाहिए। पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल की कम अवधि वाली किस्मों को मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में उगाया जा सकता है, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद ही। पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार जल निकासी के उचित उपाय किये जाने चाहिए।
टमाटर	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
शिमला मिर्च	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
बैंगन	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
मिर्च	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
सेम की फली	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए।
गाय	जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए।
बकरा	छोटे रोमन्थी पशुओं, ओं जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों।